ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–88
दिनांक–शुक्रवार, 28 नवम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.7 एवं 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 50.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.6 एवं दोपहर में 26.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 नवम्बर–03 दिसम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 नवम्बर–03 दिसम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 14–17 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 5 से 6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसान भाई सिंचित तथा समयकालीन गेहूँ की बुआई 5 दिसम्बर तक अवश्य पूरा कर लें। उत्तर बिहार के लिए PBW–178, PBW–252, HD–2967, राजेंद्र गेहूँ–3 और राजेंद्र गेहूँ–4 किस्में अनुशंसित हैं। बीज को बुवाई से पहले बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करना आवश्यक है। छिटकवाँ विधि से बुआई के लिए 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रिल से पंक्ति बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। बुआई से पूर्व खेत में 150–200 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाना लाभकारी रहता है।
- रबी मक्का की बुआई जल्द से जल्द सम्पन्न कर लें। अन्यथा उपज प्रभावित हो सकती है। बुआई के लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह में लगाये गये आलू के पौधों की उँचाई 15–20 से0मी0 हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी बादशाह, कुफरी लालीमा, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी आनन्द, कुफरी पुष्कर, कुफरी अरुण, कुफरी गिरधारी, कुफरी सदाबहार, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3। बीज दर 25–30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिशत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपनचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की तैयारी के समय 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुषंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर 75 से 80 किलोग्रम एवं बड़े दानों के लिए 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- गोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड 48 इ0सी0 दवा एक मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए एक मि0ली0 गोन्द प्रति लीटर पानी में डालें।
- इस ऋतू में पशुओं को ढके हुए शेड में रखें एवं शेड में नमी नहीं हो। दुधारू पशुओं को 200 ग्राम तिलहन खल्ली, 100 ग्राम गुड़, 50 ग्राम खनिज मिश्रण एवं 50 ग्राम साधारण नामक का मिश्रण प्रतिदिन खिलाएं। प्रत्येक पशु को उपयुक्त कृषि नाशक दवा दें एवं खुरपका, मुहपका, गलघोटू एवं लंगड़ी बीमारी से बचाव के लिए टिकाकरण कराएं।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो 20 से 25 दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौघे से पौघे की दूरी 12–15 से0मी0 रखें। आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 27.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 12.4 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी